तापमान
अधिकतम 33 .2 डिग्री
न्यूनतम 14 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार,24 मार्च 2024

12 कांग्रेसियों ने शहीदों को किया नमन

12 छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के साथ मतदान के प्रति किया...

खबर संक्षेप

विहिप ने गो तस्करी रोकने की मांग की

शाहबाद। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने नगर की अनाज मंडी में हो रही गो तस्करी को न रोके जाने के खिलाफ एसडीएम कार्यालय में जाकर जोरदार प्रदर्शन किया। गो सेवा जिला प्रमुख महेश भगत ने कहा कि सरकार ओर पुलिस प्रशासन का इस और कोई ध्यान नही है।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सतीश कुमार व जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। मंगलई के राजेंद्र कुमार ने 13 अप्रैल 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि किसी ने गांव मंगलई में स्थित उसके खेत में लगे ट्यूबवेल की तार व मोटर का स्टाटर चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दज किया था।

तस्करी के मामले में आरोपी का दबोचा

अंबाला। थाना नारायणगढ़ क्षेत्र से अवैध शराब की तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी बलदेव उर्फ छोटा को 9 बोतल शराब सहित काबू किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी शराब तस्करी का कारोबार करता है। इसी आधार पर पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू किया। तलाशी के दौरान ही उसके कब्जे से नौ बोतल शराब जब्त की गई। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

दुर्व्यवहार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज महिला से दुर्व्यवहार करने के मामले में पुलिस ने आरोपी तालिब को गिरफ्तार किया है। पीड़ति महिला ने 19 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 11 मार्च 2024 को आरोपी तालिब ने उसके घर में घुसकर उससे दुर्व्यवहार कर जान से मारने की धमकी देने का अपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चेक बाउंस मामले में आरोपी को कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

छह लाख का मुआवजा नहीं देने पर दो महीने की भुगतनी होगी अतिरिक्त साधारण कारावास

परेशान होकर उन्होंने आरोपी के खिलाफ अप्रैल 2018 में मामला दायर कर दिया। मामले की सुनवाई पूरी होने पर जेएमआईसी की अदालत ने आरोपी विजय को निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के तहत धारा 138 के तहत एक वर्ष की कैद की सजा व एक महीने के भीतर शिकायतकर्ता को छह लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने की सजा सुनाई। साथ ही एक महीने के भीतर मुआवजा की राशि अदा नहीं करने पर दो महीने की अतिरिक्त सजा भुगतने के आदेश दिए हैं।

चेक बाउंस मामले में जेएमआईसी की अदालत ने आरोपी को एक साल की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने आरोपी को एक महीने के भीतर शिकायतकर्ता को छह लाख का मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। आदेशो में एक महीने के भीतर मुआवजा अदा नहीं करने पर दो महीने की अतिरिक्त सजा भुगतने के आदेश दिए गए हैं।

- अदालत ने आरोपी को दिए एक महीने के भीतर छह लाख का मुआवजा शिकायतकर्ता को देने के आदेश

जानकारी के मुताबिक शहर के मॉडल टाउन निवासी मनीष मलिक द्वारा मैसर्ज मलिक फाइनेंस कंपनी बनाई हुई है। मैसर्ज मलिक फाइनेंस कंपनी द्वारा लोगों को उनके छोटे मोटे काम धंधे के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। मनीष मलिक ने बताया कि मार्च 2017 में जगाधरी निवासी विजय ग्रोवर नामक व्यक्ति उनके पास आया और उनसे बिजनेस करने के लिए सवा तीन लाख रुपये का ऋण मांगने लगा।

इस दौरान कंपनी के नियमों के अनुसार उन्होंने विजय ग्रोवर को सवा तीन लाख रुपये का ऋण उपलब्ध करवा दिया। उस समय विजय ने उन्हें तीन महीने के भीतर ब्याज समेत लिए हुए ऋण को लौटाने का वादा किया। मगर वादे के मुताबिक विजय ने कंपनी से लिए हुए ऋण को वापस नहीं किया। इस दौरान आरोपी विजय पर लिए हुए ऋण पर ब्याज बढ़ता गया और लिए हुए ऋण की राशि बढ़कर चार लाख रुपये पहुंच गई। मगर इसके बाद भी आरोपी ने लिए हुए ना तो ऋण को लौटाया और ना ही ब्याज ही दिया। जिसके बाद उन्होंने आरोपी पर दबाव बनाया। जिसके बाद आरोपी ने मार्च 2018 में उसे चार लाख का चेक काटकर दे दिया। उन्होंने चेक को बैंक में जमा करवाया तो वह बाउंस हो गया।

पुलिस ने शातिर चोर पकडा

पानीपत। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले शातिर चोर को काबड़ी चौक से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान हरप्रीत उर्फ हैप्पी निवासी बतरा कॉलोनी के रूप में हुई। आरोपी से बाइक चोरी की 6 वारदातों का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद की।

बिजली बिल वसूली करने गई टीम के साथ हाथापाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव भटौली में उपभोक्ता से बिल की वसूली करने गई विद्युत निगम की टीम के साथ हाथापाई की गई। आरोप है कि उपभोक्ता ने बिल जमा करने से इंकार कर दिया और गाली गलौज करते हुए टीम के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के एसडीओ अजीत कुमार ने बताया कि गांव भटौली में उपभोक्ता बचना राम के नाम पर कनेक्शन का 80 हजार रुपये का बकाया है। इस बारे में टीम गांव में वसूली के लिए गई लेकिन उसने बकाया जमा करने से इंकार कर दिया। जब टीम ने दबाव दिया तो वहां पर उसके ही परिवार से गुरमीत सिंह पहुंच गया। जिसने अन्य लोगों के साथ मिलकर स्टाफ के साथ अभद्रता की। असिस्टेंट लाइनमैन राजवीर सिंह के साथ हाथापाई की और गाली गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

- पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ किया केस दर्ज

ठग को बुडैल जेल से लाई पुलिस

पानीपत। क्रेडिट कार्ड बंद करवाने के झांसे में लेकर समालखा निवासी युवक से 49740 रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दूसरे आरोपी रितेश को थाना साइबर क्राइम पुलिस की टीम चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई। आरोपी ने अपना अपराध स्वीकारा है।

नशा तस्कर महिला काबू

सीआईए वन पुलिस टीम ने 4 किलो गांजा तस्करी मामले में सप्लायर आरोपी सुनीता निवासी इंद्रा कॉलोनी दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में आरोपी सुनीता ने गांजा सप्लाइ करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा।

हादसे में कार सवार युवक वाहन में बुरी तरह फंसा, उपचार के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

डुलियानी गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने दूसरी कार स्विफ्ट डिजायर को टक्कर मार दी। इससे स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सफेदे के पेड़ से जा टकराईं। इस दुर्घटना में डुलियाना गांव का रहने वाला रोहित शर्मा बुरी तरह कार में फंस गया। ज्यादा चोट आने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस को दी शिकायत में सुमित शर्मा ने कहा कि वह खेती बाड़ी का काम करता है। शुक्रवार की रात करीब 9.10 बजे रात को घर जाने के लिये अपनी मोटर साइकिल पर सवार होकर अपने घर जा रहा था। उस के आगे - आगे उस के ताऊ का लड़का रोहित शर्मा स्विफट डिजायर कार में जा रहा था। जब वह अपनी कार को चलाते हुए दौसड़का साढौरा रोड़ पर गांव डुलियाणी के पास पहुंचा तो साढौरा की तरफ से एक कार चालक ने रोहित शर्मा की कार में सामने की तरफ से मार दी। टक्कर लगने के कारण रोहित शर्मा की कार अनिंयत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े सफेदा के पेड़ से बड़ी जोर से टकराई। टककर लगने के कारण कार पूरी तरह से क्षति ग्रस्त हो गई और उस के ताऊ का लड़का रोहित शर्मा कार में बुरी तरह से फंस गया।

मृतक रोहित शर्मा की फोटो

- तेज रफ्तार कार ने स्विफ्ट डिजायर को मारी टक्कर

होली पर हुड़दंग करने वालों से सख्ती से निपटेगी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल में होली व फाग का त्योहार रविवार व सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस त्योहार पर एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को गुलाल लगाते हैं व एक-दूसरे पर पानी डालते हैं। 25 मार्च को फाग के दिन यह सिलसिला पूरे दिन चलेगा। कुछ असमाजिक तत्त्व छोटे मोटे झगड़े को बड़ा रूप दे देते हैं। ऐसी परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए जिला पुलिस की ओर से होली व फाग के पर्व पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने होली के त्योहार के मद्देनजर जिले में कानून एवं व्यवस्था व सांप्रदायिक सद्भावना को बेहतर बनाए रखने व यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से सुव्यवस्थित करने व किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटने व आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधक व चौकी इंचार्जों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में हुड़दंग बाजी करने वालों से सख्ती से निपटने के विशेष रूप से दिशा निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक थाना में तीन पैदल गश्त पार्टी बनाकर नियुक्त की है। पूरे जिले में 47 गश्त पार्टी क्षेत्र में पैदल गश्त करेंगी। भीड़-भाड़ वाले इलाकों सहित विभिन्न स्थानों पर जवानों को सादी वर्दी में भी तैनात किया गया है। जिनकी असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रहेंगी।

पुलिस कप्तान अजीत शेखावत

- गश्त के लिए पुलिस की 47 पार्टी क्षेत्र में पैदल गश्त कर रही है

खबर संक्षेप

दिव्यांगों के लिए बूथ पर रहेगी विशेष व्यवस्था

करनाल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिए भारत चुनाव आयोग की ओर से दिव्यांग व 80 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करने से वंचित न रहें। उपायुक्त ने बताया कि करनाल जिला में 31211 ऐसे मतदाता हैं जिनकी आयु 80 वर्ष से अधिक हैं उनके लिए मतदान केंद्र पर विशेष व्यवस्था रहेगी।

लोगों को बताएं भाजपा की नीतियां: योगेंद्र राणा

करनाल। भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संगठनात्मक विषयों को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, जिला प्रभारी, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य, जिला मोर्चा अध्यक्ष व महामंत्री, मंडल अध्यक्ष व महामंत्री मौजूद रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने बैठक में उपस्थित सभी को निर्देश देते हुए कहा कि आप सभी आमजन को पार्टी की विचारधारा से जोडने के लिए अधिक से अधिक संख्या मे माइक्रोडोनेशन करवाएं।

भ्रष्टाचार का माध्यम है इलेक्टोरल बॉन्ड : सुरेश

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि सरकार की इस द्वेषपूर्ण कार्रवाई से अग्रवाल समाज की आत्मा को चोट पहुंची है। अरविंद केजरीवाल को साजिश के तहत झूठे केस दर्ज कर फंसाया गया है। मोदी सरकार ने एक बार फिर सरकारी एजेंसी का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया।

नरसी विलेज सेक्टर 32 में खेली फूलों की होली

करनाल। श्री गणेश मंदिर नरसी विलेज सेक्टर 32 में फूलों की होली का आयोजन श्यामा सखी मंडली द्वारा बड़ी धूमधाम से नाच गा कर मस्ती के साथ किया गया। नीरू पहवा द्वारा मस्ती के भजन गाए गए।। वहां पर उपस्थित सभी महिलाओं ने कान्हा जी के संग फूलों की होली खेली।। इस कार्यक्रम का आयोजन सोनिया मेहता जी द्वारा आयोजित किया गया।

रंगों की फुहार कार्यक्रम में जमकर किया नृत्य

घरौंडा। राइजिंग सन पब्लिक स्कूल में होली के मौके पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को रंगो की फुहार का नाम दिया गया, जिसमें स्कूल अध्यक्ष समर सिंह कल्याण, डायरेक्टर गौरव कल्याण और प्रिंसिपल श्रीमती अलका छाबड़ा के साथ मिलकर सभी अध्यापक, अध्यापिकाओ ने मस्ती की।और आपस मे एक दूसरे को गुलाल लगाकर पवित्र त्यौहार की शुभकामनायें दी। विद्यालय के चेयरमैन समर सिंह कल्याण ने सभी अभिभावकों और प्रदेश वासियों को होली के इस पावन अवसर की बधाई दी।

महान देशभक्त शहीद भगत सिंह के बलिदान को याद किया

शहादत दिवस पर 81 युवाओं ने अपना रक्त देकर दी श्रद्धांजलि

शहादत दिवस पर 81 युवाओं ने अपना रक्त देकर श्रद्धांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

शहीद ए आज़म भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहादत दिवस पर आज 81 युवाओं ने अपना रक्त देकर श्रद्धांजलि दी व देश की आज़ादी में उनकी महान भूमिका को नमन किया। नेशनल इंटीग्रेटेड फ़ोरम ऑफ़ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्टस (निफा) द्वारा हरियाणा रोडवेज़ ड्राइविंग स्कूल व गोल्डन मोमेंट्स के सहयोग से आयोजित विशाल रक्त दान शिविर में सुबह 10 बजे शिविर शुरू होते ही युवाओं में रक्त दान को लेकर भारी उत्साह रहा व दो बजे शिविर के समापन पर कुल 81 यूनिट सिविल अस्पताल करनाल की टीम ने एकत्रित किया। इस से पूर्व सभी अतिथियों व युवाओं ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित किए व उनकी महान शहादत के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।निफा के संस्थापक अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नु ने कहा कि 23 मार्च 2031 को जब इन शहीदों को फाँसी दी गई तो ये सभी युवा आयु में थे, लेकिन देश को आज़ाद करवाने का सपना और व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद में हंसते हंसते फाँसी के फंदे को चूम गए। आज जब उनकी शहादत को 93 वर्ष हो चुके हैं, हम सभी को व विशेष रूप से युवाओं को आत्मअवलोकन करना होगा कि क्या हम शहीदों के बताये रास्ते पर चल रहे हैं। कार्यक्रम में मॉरीशस से आये पंडित अयोध्यानाथ बंसी, निफा के संरक्षक डॉ लाजपत राय चौधरी, सतिंदर मोहन कुमार, डॉ कृष्ण अरोड़ा, समाज सेवी महेश शर्मा, रजनीश शर्मा, प्रसिद्ध नाटक निर्देशक कृष्ण मलिक, समाज सेवी रजनीश शर्मा, प्रोफ़ेसर प्रदीप भारती, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से डॉ आबिद, फ़िल्म अभिनेता व निर्माता राहुल शर्मा, हरियाणा रोडवेज़ ड्राइविंग स्कूल से अधिकारी विनोद कुमार, फ़ोरमैन दविन्द्र कुमार हरियाणा इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल के निदेशक धर्मवीर सिंह दाँगी, सचिव विकास शर्मा, महिला विंग की संरक्षक व सीजीसी की प्रधान अंजू शर्मा, महिला विंग की प्रधान वीणा खेतरपाल, सचिव डॉ भारती भारद्वाज, समाज सेवी अरविंद मान, नमना अहलावत, अंजू शर्मा, निफा के ज़िला सचिव हितेश गुप्ता आदि ने रक्त दान करने वालों को बैच लगाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में समाज की बहुत से प्रबुद्ध हस्तियाँ मौजूद रही जिनमे निफा के ज़िला कार्यकारिणी से सतिंदर गांधी, उप प्रधान अरविंद संधु, शहरी प्रधान मनिंदर सिंह, ज़िला कार्यकारिणी से मुकुल गुप्ता, जगतार सिंह, अरुण, करणजीत सिंह, हरियाणा रोडवेज़ से चालक अशोक कुमार, आनंद कुमार, कृष्ण गोपाल, नरेश, कृष्ण, अमरजीत, बलजीत सिंह शामिल रहे।

भगत सिंह-एक अमर गाथा का ट्रेलर किया जारी

शहीद भगत सिंह की समर्पित पहली हरियानवी फ़िल्म "भगत सिंह-एक अमर गाथा" का ट्रेलर हुआ जारी एक महीने बाद सिनेमा व ओटीटी प्लेटफार्म पर आएगी फ़िल्म आज शहीदी दिवस के अवसर पर निफा द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर में वैष्णवी फिल्म्स और सिफ्ट द्वारा निर्मित हरयाणवी फिल्म ₹भगत सिंह - एक अमर गाथा ₹ का टीजर लॉन्च किया गया। इस अवसर पर फिल्म के सभी कलाकारों के साथ फिल्म के डॉयरेक्टर दीपक सैनी, प्रोड्यूसर और फिल्म में भगत सिंह का अभिनय कर रहे राहुल शर्मा, फिल्म का म्यूजिक दे रहे अंकुश के अतिरिक्त परदे के पीछे सब कलाकारों और टीम को जोड़ने में सहयोग दे रहे और भगत सिंह के पिता के रोल में कृष्ण कुमार मलिक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में मास एंड कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर आबिद अली,हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल मंच के माध्यम से फिल्मों , हरयाणवी संस्कृति और कलाकारों को प्रोत्साहित करने वाले मंच के प्रधान धर्मेंद्र डांगी सहित सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रंगमंच निर्देशक और अभिनेता कृष्ण मलिक ने निफा के प्रधान प्रितपाल सिंह पन्नू और उनकी टीम का धन्यवाद किया। इस अवसर पर शहीद आज़म भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की प्रतिमा पर निफा के टीम के साथ भगत सिंह एक अमर गाथा टीम ने पुष्प अर्पण भी किया। इस अवसर पर सलविंदर कौर, तहसीन खान, निशा कक्कड़, बलबीर आतिश, लव समाना, सुखविंदर सोही, कपिल शर्मा,कौशल समाना, अंकित ढींगरा, नरेंद्र औझला, जसबीर सिंह साही, सुधीर ढांडा, हर्ष कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

एनसीसी एयर विंग कैडेट्स ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

करनाल। पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-14 करनाल के एनसीसी एयरविंग कैडेट्स ने आज शहीदी दिवस पर करनाल, तरावड़ी, इंद्री, असंध और अपने-अपने गाँव-शहर के नजदीक स्थापित देश के वीर शहीदों, अमर बलिदानीयों के स्मारकों की पहले साफ-सफ़ाई की और फिर उन्हें नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की । महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी फ्लाइट लेफ्टिनेंट डॉ. सुरेश कुमार दुग्गल ने बताया की कैडेट्स ने न0 2 हरियाणा एनसीसी एयर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर सेनिन बशीर के निर्देशानुसार और प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी की प्रेरणा से जिले के विभिन्न विभिन्न शहीदी स्मारकों पर साफ़-सफ़ाई करते हुए, श्रमदान किया और पुष्प अर्पित किये ताकि कैडेट्स और देश के युवा हमारे अमर बलिदानियों, शहीदों की शहादत को याद रक्खें कि कैसे हमारे आदर्श ८ देश के नौजवानों ने हस्ते-हस्ते फांसी के फंदें को गले लगा लिया था और कितनी शहादतों के बाद हमे ये आज़ादी मिली है।

आर्य समाज सभा ने ध्वजारोहण कर शहीदों को नमन किया

करनाल। आर्य समाज प्रेमनगर द्वारा आर्य केन्द्रीय सभा के तत्वधान में 22 मार्च से 24 मार्च तक मनाए जा रहे शहीदी दिवस एवम वार्षिक उत्सव का शुभ आरंभ आचार्य अनुज शास्त्री के ब्रह्मत्व में पुरोहित राजीव आर्य , शिवप्रसाद, मुन्ना शास्त्री और निर्मल शास्त्री द्वारा यज्ञ करके करवाया गया। भजनोपदेशक मुकेश शास्त्री जी ने प्रभु भक्ति के मधुर भजन द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आर्य केंद्रीय सभा के महामंत्री स्वतंत्र कुकरेजा ने ध्वजारोहण करके शहीदों को नमन किया ।उन्होंने कहा की आज की युवा पीढ़ी को हमारे वीर शहीदों की कुर्बानी को याद कराने की आवश्कता है ताकि उनको पता चले की यह आजादी हमे कितनी कठिनायों से मिली है। मातृ शक्ति दिवस की मुख्य अतिथि प्राचार्या डॉ अनीता जून, विशिष्ट अतिथि एडवोकेट मालती अरोड़ा और कार्यक्रम की अध्यक्षा कमलेश आर्या ने कहा की माता ही निर्माता होती है और बच्चों में बचपन से ही अच्छे संस्कार देने का कार्य करती है। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री हरेंद्र चौधरी और सीमा खुराना द्वारा किया गया। प्रातः कालीन बैठक में अध्यक्ष सत्येंद्र मोहन कुमार ,मुख्य अतिथि शांति प्रकाश आर्य और विशेष अतिथि भोपाल सिंह आर्य रहे।

होली पर दें भाईचारे का परिचय

- करनाल पुलिस ने किया अपराधिक गोष्ठी का आयोजन
- होली के त्यौहार के लिए सौहार्द का वातावरण बनाने की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

पुलिस अधीक्षक करनाल दीपक सहारन द्वारा सै-12, करनाल में स्थित अपने कार्यालय के सभागार में अपराधिक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसके दौरान उन्होंने सभी राजपत्रित अधिकारीयों और प्रबंधक थाना को आदेश दिए कि लोकसभा चुनावों के दौरान सभी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न करे। लोकसभा चुनावों को निष्पक्ष ढ़ंग से करवाने के लिए सभी पुलिसकर्मी ओर अधिक सक्रियता और सतर्कता के साथ अपना कार्य करे। उन्होंनें कहा कि सभी आज से अपने-अपने क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी करने वालों या सार्वजनिक स्थानों पर शराब पिने वालों, अवैध हथियार रखने वालों, भारी मात्रा में कैश लेकर चलने वालों और मादक पदार्थों का सेवन करने वालों या बेचने वालों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाकर ऐसे लोगों की तलाश कर उन्हें सलाखों के पिछे पहुंचाने का कार्य करें। सभी पुलिसकर्मी सेवा, सुरक्षा और सहयोग की भावना को मन से धारण कर अपने कर्तव्य का पालन करें। सहारन ने कहा कि आने वाले होली के त्यौहार को लेकर सभी अपने-अपने थाना क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करें।

होली का पर्व भारतीय संस्कृति की पहचान

- गले मिलकर दी एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭तरावड़ी

होली रंगो का त्यौहार है। इस त्यौहार का सारे गिले शिकवे भूल कर मनाना चाहिए। होली के रंग खुशियों के संग हमारी झोली भरने को तैयार है। होली पर्व को लेकर सभी लोगों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। होली हमारी भारतीय संस्कृति से जुड़ा हुआ पर्व है। ऐसे में हमें इस बार होली पर्व पर पानी बचाते हुए तिलक लगाकर होली पर्व मनाना चाहिए। देखने में आता है कि होली पर्व के अगले दिन फाग पर कुछ लोग न केवल हुड़दंगबाजी करते हैं, बल्कि जल की भी काफी बर्बादी करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि होली त्यौहार पर जल की बर्बादी ही की जाए, होली पर्व अच्छे ढंग से भी मनाया जा सकता है। होली पर्व मनाने को लेकर तरावड़ी के उद्योगपतियों ने अपनी राय रखी। शिव शक्ति इंटर ग्लोबल के एमडी अमन गुप्ता, भारत इंडस्ट्रीज के एमडी नाथीराम गुप्ता एवं जीवी राइस यूनिट के एमडी प्रमोद बंसल, 521 फूड्स प्रोडक्ट्स के सीएमडी पंकज गोयल ने कहा कि होली प्यार और शालीनता का त्यौहार हैं, लेकिन इस दिन कुछ लोग हुड़दंगबाजी करते हैं, जोकि सरासर गलत हैं। हम सभी को मिलकर भाईचारे के साथ होली पर्व मनाना चाहिए। राईस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश बंसल, डबल चाबी बासमती राईस के एमडी पुष्कर गोयल, राकेश गर्ग, बी डी ओवरसीज के एमडी प्रवीण गर्ग ने कहा कि होली पर्व भाईचारे के साथ मनाया जाना चाहिए। एब्रो इंडिया के मानव संसाधन अधिकारी यशपाल, हंस राईस मिल के एमडी प्रदीप गुप्ता, सरस्वती राईस इंडस्ट्रीज के एमडी शीशपाल गुप्ता व न्यू कैम आयल के एमडी राजकुमार तायल ने कहा कि होली पर्व भाईचारे के साथ मनाया जाना चाहिए।

तरावड़ी। परिचर्चा मे भाग लेते शहर के उद्योगपति एवं राइस मिल्ज।

बुद्धा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में खूब उड़ा गुलाल

- रंग दे कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को लगाया गले
- इस मौके पर ढोल-नगाड़ों पर जमकर थिरके छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

बुद्धा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में होली के पावन अवसर पर रंग दे 2024 कार्यक्रम का बड़ी धूमधाम से आयोजन किया गया। जिसमें बी.एड, डी.एड, एमबीए, बीबीए, फैशन डिजाइनिंग, फाइन आर्ट, इंटीरियर के छात्रों ने होली के पावन पर्व पर रंग बिरंगे फूलों, सप्तरंगों और गुलाल में रंग कर माहौल को रंगमय एवं आनंदित कर दिया। सभी छात्रों ने होली पर्व की गरिमा रखते हुए एक दूसरे को गुलाल लगाया। शिक्षकों एवं छात्रों ने मिलकर ढोल और डीजे की थाप पर खूब नृत्य किया। कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी विभागों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमो की प्रस्तुतियों देकर एवं मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होकर कार्यक्रम को रंगमय कर दिया ।कार्यक्रम में बी एड के छात्र प्रवीण एवं मीनाक्षी ने हरियाणवी डांस से कार्यक्रम को चार चांद लगा दिए। साक्षी, सौनक, राघव ,आदित्य मैनेजमेंट विभाग के छात्रों ने डांस प्रस्तुतियां द्वारा सभी को थिरकने पर विवश कर दिया। करण, प्रीति, तान्या ,खुशी, विधि ,अर्शिया फाइन आर्ट एवं इंटीरियर के छात्रों ने बेहद शानदार नृत्य द्वारा कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर निदेशक नितेश गुप्ता ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति में त्यौहारों और उत्सवों का आदिकाल से बहुत महत्व रहा है। हमारी संस्कृति की सबसे बडी विशेषता यह है कि यहां पर मनाए गए सभी त्यौहार समाज में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढाते हैं। कॉलेज प्राचार्य डॉ मोहम्मद रिजवान ने कहा कि फागुन मास में प्रकृति में चारों तरफ हरियाली होती है व सभी पेड़ पौधे रंग बिरंगे फूलों एवं फलों से लदे होते हैं प्रातःकालीन समय में चारों तरफ पक्षी चहचहा रहे होते हैं। जिन्हें देखकर मन आनंदित हो जाता है।

शरीर को योगासन से करें निरोग

- उत्तम जीवन का भोग करो, प्रातः उठकर योग करो

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

मेरा मिशन स्वस्थ भारत के तहत मिशन प्रमुख दिनेश गुलाटी के नेतृत्व आज का विशेष सत्र फव्वारा पार्क सेक्टर 12 से आयोजित किया गया।जिसमे नोडल अधिकारी आयुष विभाग से डा अमित पुंज अंगिरस ने शिरकत की।सत्र की शुरुआत सूक्ष्म व्यायाम से दिनेश गुलाटी और योग शिक्षिका वीना धीर द्वारा की गई। आसन सत्र का शानदार अभ्यास करवाया गया। डा अमित पुंज ने खान पान के बारे में जानकारी दी।उन्होंने कहा कि आधा किलो फल और आधा किलो सलाद प्रतिदिन खाने की आदत डाले जो मौसम के अनुसार हो, यानि मौसमी हो। साथ ही साथ दिनेश गुलाटी ने बताया योग संपूर्ण शरीर के लिए फायदेमंद है,वैसे तो कई तरह के योगासन है जो अलग अलग तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं में असरदार होते हैं लेकिन कुछ योगासन ऐसे है जो आपको मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हैं,साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं। इन्ही योगासनों में शामिल हैं अनुलोम विलोम प्राणायाम शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते है।इस प्राणायाम के नियमित अभ्यास से तनाव कम होता है,हृदय रोग, गठिया, उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, माइग्रेन और बहुत सारी बीमारियो को ठीक किया जा सकता है यदि इसका नित्य प्रति अभ्यास किया जाए और सही तरीके से किया जाए। इस अवसर पर योग शिक्षिका वीना धीर के साथ साधकों में रिंकी जैन,निर्मला,रमा आदि मौजूद रहे।

सुखबीर बने नई अनाज मंडी के प्रधान

- 42 वोटो से की जीत हासिल

हरिभूमि न्यूज ⏭घरौंडा

नई अनाज मंडी के कम्युनिटी हॉल में कच्चा आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान पद का चुनाव कराया गया। चुनाव शांतिप्रिय ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव में सुखबीर संधू पांचवी बार एसोसिएशन के प्रधान बने। सुखबीर संधू ने अपने प्रतिद्वदी शिवदयाल को 42 वोटों से हराया। बाद में नवनियुक्त प्रधान संधू ने सभी व्यापारियों का आभार जताया ओर कहा कि सभी व्यापारियों से विचार विमर्श करके अनाज मंडी में कार्य करेंगे। किसी भी स्तिथि से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया। सुखबीर संधू के समर्थकों ने बताता की संधू पांचवी बार प्रधान बने है। नई अनाज मंडी में कच्चा आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान पद के लिए शनिवार को सुबह नौ बजे मतदान शुरू हो गया था। दोपहर बाद लगभग एक़ बजे तक 339 वोटों में से 338 वोट पोल हुईं। चुनाव में सुखबीर संधू को 190 वोट मिले व शिवदयाल सिंगला को 148 वोट मिले। सुखबीर संधू ने अपने प्रतिद्वंदी को 42 वोटों से हराया। नवनियुक्त प्रधान सुखबीर संधू ने कहा कि मंडी में सुचारु रुप से कार्य चलना का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने मंडी के व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसको निष्ठां व ईमानदारी से निर्वाह करने का प्रयास किया जाएगा।

फूलों की होली खेलकर बचाया जा सकता है लाखों लीटर पानी

सामाजिक संस्थाओ के साथ राजेश वैध ने खेली होली

हरिभूमि न्यूज ⏭तरावड़ी

होली का पर्व भारतीय परंपरा का एक अभिन्न अंग रहा है व पुरातन काल से ही भारत देश मे इस पर्व को बडी ही धूमधाम व उल्लास के साथ मनाया जाता रहा है उक्त विचार हरियाणा लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य व कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य प्रो राजेश वैध ने अपने आवास पर आयोजित होली मिलन समारोह मे आये अपने साथियो को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। प्रो वैध ने कहा की होली का महापर्व आपसी भाईचारे को मजबूत करने मे अहम् रोल निभाता है व इस दिन आपसी गिले शिकवे भुला कर एक दूसरे के साथ गले लग कर इस पर्व को मनाते है। प्रो वैध ने कहा की होली का पर्व भारत ही नहीं अपितु पुरे संसार मे अलग अलग ढंग से मनाया जाता है। भगवान श्री कृष्ण जी का होली के पर्व से गहरा नाता रहा है व राधा कृष्ण की होली आज भी पुरे विश्व मे आपसी मतभेद भुला कर प्रेम उमंग व उल्लास को भरने वाली है। प्रो वैध ने कहा की होली के पर्व पर अलग अलग रंगों की विविधता देखते ही बनती है व चारो और खुशी व उमंग उल्लास का माहोल देख कर मन बड़ा ही प्रफुलित होता है। प्रो वैध ने कहा की भारत मे ब्रज की होली देखने के लिए दुनिया भर से लोग आते है व हरियाणा की होली भी अपने आप मे अनूठी व प्रेम प्यार से भरी होती है। इस दौरान प्रो वैध ने अपने आवास पर आये सभी लोगों के साथ पुष्प होली खेली व लोगों को पानी की बचत करने का भी आग्रह किया।

तरावड़ी। कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य प्रो राजेश वैध व कार्यकर्ता होली मिलन मे भाग लेते हुये। फोटो : हरिभूमि

होली मिलन समारोह में ये रहे मौजूद

इससे पूर्व प्रो वैध का उनके साथिओं ने फूलो की माला पहना कर स्वागत किया व एक दूसरे पर पुष्प वर्षा कर होली का उत्सव उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर एडवोकेट विश्वनाथ शर्मा,लक्ष्य जनहित सोसाइटी के पंकज बक्शी, अनिल लोहाट,सुनील बागड़ी,बलराज वाल्मीकि, पोली राम, टोनी गिल,शकुंतला देवी, मंजीत कोर, सिमरन कोर,गुड्डी, रेखा, प्रो रविश कुमार समेत सेंकड़ो समर्थक उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

छात्रों ने शहीदों को नमन किया

पानीपत। शहीदी दिवस के अवसर पर गांधी ग्लोबल फैमिली की ओर से हाली अपना स्कूल, सेक्टर 25, पानीपत में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिस में गांधी ग्लोबल फैमिली के महासचिव राम मोहन राय ने क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्कूल की मुख्य अध्यापिका प्रिया लूथरा, मधु यादव, रोजी चावला, सोनिया, सोनी, आरती ,श्रुति और डॉली विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बच्चों को सुनाई वीरों की गाथा

पानीपत। नॉर्थ इंडिया एंटी करपशन के लतीफ गॉर्डन स्थित कार्यालय में आज राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक की अध्यक्षता में शहीदी दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस पर 2 मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक ने कहा कि इन शहीदों के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है तथा अपने बच्चों को भी हमें इनके जीवन के बारे में बताना चाहिए।

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पौधे रोपे

पानीपत। पानीपत के गांव कुराड़ स्थित टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आज शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वही, प्रमुख वक्ताओं ने उनके जीवन पर विस्तार से विद्यार्थियों को बताया। वहीं विद्यालय के पूर्व छात्र गांव सनौली कलां निवासी विपिन त्यागी का सीआईएसएफ में सीआई के पद पर पद ग्रहण करने के बाद आज स्कूल पहुंचने पर स्वागत किया गया तथा विद्यालय पौधारोपण किया गया।

जिनवाणी स्कूल में होली मनाई

पानीपत। जिनवाणी विद्या भारती स्कूल में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। शिक्षकों ने भी एक दूसरे को और सभी बच्चों को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। प्रिंसिपल नीलम ने कहा कि होली खुशियों का त्योहार है। होली प्यार और स्नेह बांटने का त्योहार है। उन्होंने टीचरों और बच्चों को होली की बधाई देते हुए प्रेम और भाईचारे की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य व स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

छात्रों की संख्या बढ़ाने को अभियान

पानीपत। शहीद दिवस पर डीईईओ राकेश बूरा और टीचर्स ने बच्चों संग मिलकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनकी फोटो पर फूल अर्पित कर उनको याद किया। वहीं स्कूल प्रांगण में शहीदों की याद में पौधरोपण किया गया। डीईईओ राकेश बूरा ने कहा कि शिक्षा विभाग के आदेशानुसार बैशाखी तक सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए टोर टू टोर सर्वे करके स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए अभियान का शुभारंभ नांगल खेड़ी स्कूल से किया गया है। नांगल खेड़ी स्कूल के मुख्य शिक्षक जयदीप ने सभी का आभार प्रकट किया।

सद्भावना से साथ मनाए होली का त्यौहार

पानीपत। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने जिला के सभी नागरिकों के होली के त्यौहार की बधाई देते हुए कहा कि होली रगों का त्योहार है इसको मिलकर मनाना चाहिए,इससे समाज मे आपसी भाईचारा और प्रेम की भावना बढ़ती है।

कैंप के छठे दिन का उदघाटन एवं आगाज मुख्य अतिथि प्रमोद विज ने किया

विद्यार्थियों ने शहीदी दिवस को श्रद्धा भाव के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में कुरुक्षेत्र विश्वविधालय कुरुक्षेत्र के सौजन्य से चलने वाले सात दिवसीय विशेष एनएसएस कैंप का आज छठा दिन रहा। रात-दिन चलने वाले इस आवासीय कैंप में कॉलेज एनएसएस यूनिट्स के लगभग 150 स्वयंसेवक भाग ले रहे है। कैंप के छठे दिन का उदघाटन एवं आगाज मुख्य अतिथि प्रमोद विज विधायक (शहरी) पानीपत ने किया। उनके साथ अतिविशिष्ट उपस्थिति में अवनीत कौर महापौर पानीपत, विजय जैन और लोकेश नांगरू पार्षद मॉडल टाउन पानीपत उपस्थित रहे। मेहमानों का स्वागत कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा, प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. राकेश गर्ग और डॉ. संतोष कुमारी ने किया। इस बार के कैंप का थीम ह्यआत्मनिर्भर युवा, आत्मनिर्भर भारत है। आज शहीदी दिवस होने के कारण कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथिगणों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने राम लाल चौक जाकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और देश प्रेम से भरे भाव व्यक्त किए। प्राचार्य अनुपम अरोड़ा ने भगत सिंह, शिवराम हरी राजगुरु और सुखदेव थापर की शहादत और देश की आजादी में शहीदों के योगदान पर चर्चा करते हुए शहीद-ए-आजम का प्रिय गीत मेरा रंग दे बसंती चोला गुनगुना कर सभी को भावुक कर दिया। कैंप के सभी स्वयंसेवकों ने इन छः दिनों में वित्तीय स्वतंत्रता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, प्रदूषण और पर्यावरण संतुलन, कन्या भ्रूण हत्या, स्वच्छता, लैंगिक समानता, साक्षरता, परिवार कल्याण और पोषण, महिलाओं की स्थिति और सुधार के उपाय, आपदा राहत तथा पुनर्वास, समाज में व्याप्त बुराइयां, डिजिटल भारत, योग जैसे विषयों पर अपना ज्ञानवर्धन कर रहे है।

पानीपत। एसडी कॉलेज में बलिदान दिवस पर शहीदों के सम्मान में नारे लगाते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी

पानीपत। महाकाल सेना एसोसिएसन द्वारा आज बलिदान दिवस मनाया गया। जिसमें सुखदेव, भगत सिंह व राजगुरु को पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी व प्रण लिया कि उनके नक्शे कदम पर चलेंगे। महाराज उमेश पांडेय ने कहा क्रन्तिकारियों ने सबसे बड़ा बलिदान दिया। इनका कर्ज कभी नहीं चुकाया जा सकता। सूबेदार जीत सिंह ने कहा जो जिंदगी हम व्यतीत कर रहे वह इन क्रांतिकारियों की वजह से है। इस अवसर पर अजय कश्यप, कर्ण शर्मा, सचिन भारद्वाज, दीपक सैनी, विशाल राजपूत, ओमपाल, संदीप दीपू, सूबेदार जीत सिंह, उमेश पाण्डेय, अजय व अंकित आदि मौजूद रहे।

पानीपत। सिटी से विधायक प्रमोद विज शहीदों को नमन करते हुए। फोटो :हरिभूमि

शहीदों के बलिदान से देश सेवा की प्रेरणा लें युवा : विज

पानीपत। शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर पानीपत के रामलाल चौक पर स्थित भगत सिंह, राजगुरु-सुखदेव की प्रतिमा के समक्ष पानीपत शहरी विधायक प्रमोद कुमार विज के द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। विधायक प्रमोद ने शहीदों के प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक विज ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु-सुखदेव का देश के लिए दिया गया अमूल्य बलिदान युगों-युगों तक अविस्मरणीय रहेगा एवं युवाओ को देश भक्ति की प्रेरणा देता रहेगा कार्यक्रम में सांसद संजय भाटिया की धर्मपत्नी अंजू भाटिया और पूर्व मेयर अवनीत कौर ने भी सम्मिलित होकर शहीदों की प्रतिमाओं के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

पुलिस कप्तान ने एंटी नारकोटिक्स सेल का निरीक्षण किया

पानीपत। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने शनिवार को एंटी नारकोटिक्स सेल का औपचारिक निरीक्षण किया। रिकार्ड के रजिस्टर व फाइलों की जांच करने के साथ ही बैरिक, मैस व मालखाना का जायजा लेकर खामियों को जल्द ही पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के बाद क्राइम कंट्रोल के संबंध व लोकसभा आम चुनाव को जिला में भयमुक्त व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के मद्देनजर पर्यवेक्षण अधिकारी, सेल इंचार्ज व तैनात पुलिसकर्मियों की क्राइम मीटिंग लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मीटिंग में उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय धर्मबीर खर्ब, एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज सब इंस्पेक्टर संदीप, एसपी रीडर एएसआई सुभाष व सेल से सभी पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। एसपी शेखावत ने निर्देश दिए की लोकसभा आम चुनाव को जिला में भयमुक्त व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने की दिशा में कार्रवाई करते हुए सक्रिय होकर अवैध शराब व मादक पदार्थो की तस्करी पर पूर्ण से अंकुश लगाए। अवैध हथियार व मादक पदार्थों की तस्करी, जुआरियों, सट्टेबाजों तथा अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ सचेत होकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाही अमल में लाए।

पूर्व सीएम ने बुगली देवी को श्रद्धांजलि दी

■ मां का जाना जीवन से मुख्य आधार स्तंभ के ढह जाने जैसा होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

भाजपा प्रदेश स्तरीय कमेटी सदस्य संजय छौक्कर की माता बुगली देवी के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उन्होंने कहा कि मां का जाना जीवन से मुख्य आधार स्तंभ के ढह जाने जैसा होता है। एक ऐसी क्रिया जिसकी शून्यता सदैव अनुभव होती है। छौक्कर की मां के निधन के बारे में जानकर उन्हें गहरा दुख हुआ है। बता दें कि करीब 96 साल की बुगली देवी का सोमवार को देहांत हो गया था। जिनका पुष्पांजलि कार्यक्रम 24 मार्च को गांव पट्टीकल्याणा में होगा। जिसमें प्रातः 9 बजे हवन यज्ञ व 10 बजे ब्रह्मा भोज रखा गया है। संजय छौक्कर की मां के निधन पर शोक जताते पहुंचने वालों में जजपा नेता देवेंद्र कादियान,भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट आदि शामिल रहे।

पानीपत पूर्व सीएम मनोहर लाल, संजय छोक्कर का ढांढस बांधते हुए।

वीएमसी का एनएटी एग्जाम होगा

पानीपत। विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) देश का जाना-माना कोचिंग संस्थान है जो जेईई (मेन व एडवांस), नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशिष्टता रखता है। वही, वीएमसी अपने फ्लैगशिप टेस्ट यानी एनएटी के लिए तैयार है जिसके जरिए छात्र एडमिशन और स्कॉलरशिप पा सकेंगे। ये टेस्ट 29 और 31 मार्च को ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में होगा। जिसके जरिए देशभर के अच्छे विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा और उनकी परफॉर्मेंस के लिए रिवॉर्ड भी दिया जाएगा। वही, जो छात्र क्लास 9, 10, 11 और 12 में जा रहे हैं या 12वीं पास हैं उनके लिए ये टेस्ट देकर वीएमसी के अलग-अलग प्रोग्राम में एडमिशन लेने का मौका है. इस टेस्ट में सफलता पाने वाले छात्रों को 100 फीसदी तक स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी को गीता भेंट की

■ सीएम सैनी ने एमजेआर संस्थान के कामकाज की सरहाना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एमजेआर संस्थान के महाप्रबंधक एवं भारतीय जनता पार्टी सेवा प्रकोष्ठ के संयोजक कंवर रविंद्र सैनी तथा अधिवक्ता यतींद्र सिंह सैनी (टाइगर) ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को श्रीमद्भागवत गीता भेंट कमी और रंगों के त्योहार होली की शुभकामनाएं मिठाई खिलाई। वहीं कंवर रविंद्र ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एमजेआर संस्थान द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। इधर, सीएम सैनी ने एमजेआर संस्थान के कामकाज की सरहाना की और कंवर रविंद्र व यतींद्र सैनी का आभार जताया।

पानीपत। मुख्यमंत्री नायब सैनी को श्री गीता भेंट करते हुए कंवर रविंद्र सैनी व यतींद्र सैनी।

योग कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति ने ग्रीन पार्क हुड्डा सेक्टर 12 में शहीदी दिवस मनाया। यहां पर रघुवीर सैनी ने आह्वान किया की मैं 90 वर्ष पूरे कर चुका हूं मैंने देश को गुलामी की जंजीरों में भी देखा है, जेल भी गया हूं। बड़ी मुश्किल से शहीदों ने अपना बलिदान देकर देश को आजाद कराया है। इसको हम अच्छा रखें तोडने की कोशिश ना करें। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी शीशपाल सिंह ने बताया कि आज हम योग के माध्यम से अपने देश को स्वस्थ रख सकते हैं। जिससे हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी होगी देश प्रगति करेगा हम दीर्घायु जिएंगे। पतंजलि के प्रभारी अशोक अरोड़ा ने बताया की योग ऐसा माध्यम है जिससे हम स्वस्थ तो रहते ही हैं, अच्छे कार्यों में भी हमारा योगदान होता है। इस अवसर पर किसान प्रभारी रामपाल शर्मा ने किसानों को आह्वासन किया की रासायनिक खाद को खेतों में कम से कम प्रयोग करें, ऑर्गेनिक खेती करें ताकि हम व हमारे बच्चे बीमारियों से बच सकें। इस अवसर पर सभी कक्षाओं के योग शिक्षक बलवान सिंह, महेंद्र कटियाल, बलवान शर्मा, मोहन शर्मा, बलबीर शर्मा, रामनिवास गोयल, प्रेम चावला, अर्जुन

पानीपत। योग शिविर में शहीदों की याद में देशभक्ति के नारे लगाते हुए नागरिक।

होली पर शांति व कानून व्यवस्था को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

पानीपत। जिलाधीश डॉ. वीरेंद्र दहिया ने होली के त्यौहार के दृष्टिगत दंड प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा 22(1) व 23(2) के तहत जिला में कानून व शांति व्यवस्था स्थापित करने के लिए विभिन्न स्थान पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाने के आदेश जारी किए हैं। आदेशानुसार थाना किला क्षेत्र में तहसीलदार पानीपत वीरेंद्र गिल, थाना सिटी में नायब तहसीलदार अस्तित्व पाराशर, थाना तहसील कैंप में वेटरनिटी सर्जन डॉ. अशोक लोहान, थाना सदर में कार्यकारी अभियंता सिंचाई विभाग सुरेश सैनी, थाना सेक्टर 13व 17 में हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एसडीओ कुलदीप, थाना माडल टाउन में एटीपी नवीन कुमार, थाना औद्योगिक क्षेत्र में नगर निगम के कार्यकारी अभियंता राजेश कौशिक, थाना चांदनी बाग में निगम अभियंता राहुल पूनिया, थाना सेक्टर 29 में निगम अभियंता गोपाल कलावत, थाना समालखा में एसडीओ लोक निर्माण विभाग प्रवीण, थाना बापौली में नायब तहसीलदार बापौली कैलाश चंद्र, थाना सनौली में एसडीओ उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम बापौली परविंदर, थाना इसराना में नायब तहसीलदार इसराना सौरव कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है।

पौष्टिक आहार का सेवन करें नागरिक : डॉ. पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने गांव नांगलखेड़ी में अपने सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन सुबह विकसित भारत युवाओं की आवाज विषय पर कुकिंग विदाउट फायर प्रतियोगिता का आयोजन किया। छात्रों ने आग का उपयोग किए बिना सैंडविच, भेलपुरी, दहीभल्ले, नारियल के लड्डू, खजूर के लड्डू, ठंडाई और फ्रूट क्रीम जैसे विभिन्न व्यंजन बनाए। हिमांशी व सिमरजीत प्रथम, आयुषी व दिव्या दूसरे तथा सिमरन व अनुज तीसरे स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार अंकिता, शिफाली, मुस्त्री बानो, किरन और विशाल को दिया गया। प्रतियोगिता के बाद, मुख्य वक्ता के रूप में रेड क्रॉस से डॉ. पूजा सिंघल की अध्यक्षता में एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. सिंघल ने छात्रों को एनीमिया के लक्षण, कारण और रोकथाम के साथ-साथ थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया के बारे में शिक्षित किया। उन्होंने हरी सब्जियां, पीले फल, दूध और डेयरी उत्पादों जैसे आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन के महत्व पर जोर दिया। एनएसएस अधिकारी विवेक गुप्ता एवं डॉ. मनीषा डुडेजा ने डॉ. सिंघल का आभार व्यक्त किया। इधर, ब्रेकथ्रू फाउंडेशन के प्रदीप और कुलदीप ने लैंगिक समानता की वकालत करते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया।

पानीपत। आर्य कॉलेज में व्यंजन बनाते हुए एनएसएस के स्वयं सेवी विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

भगवान भोले व मां पार्वती का किया पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

श्री कैलाशी सेवा समिति द्वारा प्रधान अशोक कैलाशी के नेतृत्व में रंग पंचोत्सव के अवसर पर भगवान भोलेनाथ एवं मां पार्वती का कैलाश पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन श्री राम मंदिर श्री राम चौक पर किया गया। श्री गंगा धाम मंदिर से निरंजन पाराशर के द्वारा भगवान भोलेनाथ एवं मां पार्वती जी का संपूर्ण विधि विधान के द्वारा पूजन अर्चन कराया गया। भगवान भोलेनाथ एवं मां पार्वती को पालकी में सुसज्जित कर कैलाश पर विराजित किया गया। मुख्य स्वागतकर्ता अजय सिंह राठौड़, श्री जगन्नाथ मंदिर से प्रदीप तायल, ताराचंद सैनी, शेर सिंह सैनी, रामेश्वर दास सैनी, ललित वशिष्ठ, प्रमोद, संदीप, अंकित कैलाश, लविश सिंगल, दिनेश, कुलदीप, जयवीर सैनी, नरेश सैनी, अनु गर्ग एडवोकेट, निशा शर्मा व अनुराधा द्वारा किया गया। इस अवसर पर म्यूजिकल ग्रुप में ललित वशिष्ठ ने सुंदरकांड का पाठ एवं भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती जी के भजनों की प्रस्तुति दी।

युवाओं व बच्चों के सिर चढ़ कर बोल रहा है होली पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के शहरी व ग्रामीण अंचल में होली पर्व का जादू युवाओं व बच्चों के सिर चढ़ कर बोल रहा है। जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के गठन पर अभिनंदन एवं होली मिलन समारोह का आयोजन होटल मिड टाउन में किया गया। जिसमें फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के मंत्री महीपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा, भाजपा के जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, भाजपा नेता विजय जैन, कांग्रेस नेता संजय अग्रवाल, किन्नर समाज की गुरु हाजी साधना, पूर्व पार्षद आशु नंदा, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र अहलावत, महेंद्र कादियान, मुकेश टुटेजा, विक्रम शाह, ब्लॉक समिति के अध्यक्ष दीपक राणा, पूर्व अध्यक्ष रमेश खर्ब नारा, राजपाल बंसल ने शिरकत की। सभी वक्ताओं ने कहा कि रंगों के त्यौहार होली को आपसी भाईचारे से मनाना चाहिए। इस त्यौहार पर हुड़दंग बाजी से बचने की आवश्यकता है। वहीं संगठन के अध्यक्ष अनिल सैनी, सौरव शर्मा ने अतिथियों का सम्मान किया। जबकि वरिष्ठ पत्रकार विनोद पांचाल, देवेंद्र कथूरिया, राममेर कौशिक, विकास चौधरी, संजीव नैन, मुकेश, राकेश, मोहन लाल, सतीश शर्मा, बिजेंद्र , आशु, नीरज आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

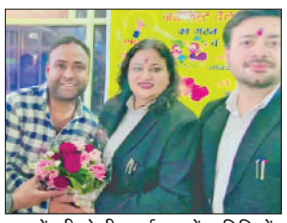
फूलों की होली कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए सौरव शर्मा।

खबर संक्षेप

महिला को किया शामिल जांच

अंबाला। थाना बलदेव नगर में दर्ज मकान पर नाजायज कब्जा करने के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को शामिल जांच किया है। पीड़ति महिला ने 5 जनवरी 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 10 दिसंबर 2020 से 8 सितंबर 2023 के दौरान आरोपी विकास व अन्य ने मनमोहन नगर अंबाला शहर में स्थित उसके मकान पर नाजायज कब्जा करने का अपरधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी किरणपाल को गिरफ्तार किया है। पीड़ति महिला ने 6 मार्च 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 18 फरवरी 2024 को गांव हसनपुर में आरोपी किरणपाल व अन्य ने उससे तथा उसके भाई से मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने का अपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

आरोपी को किया शामिल जांच

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज कार चालक द्वारा पीछे से मोटरसाईकिल में टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी दिलबाग अली को शामिल जांच किया है। पंजलासा के रोहित कुमार ने 17 अक्तूबर 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 5 अक्तूबर 2023 को आरोपी अभिषेक व अन्य ने कार द्वारा पीछे से उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार कर उस पर हमला किया था। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

उडान ट्रस्ट गुरप ने किन्नरों संग मनाई होली

सफीदों । नगर की सामाजिक संस्था उड़ान ट्रस्ट गुरप के तत्वावधान में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की महिला विंग की अध्यक्षा 'योति थनई की। इस मौके पर किन्नर गंगा मंहत अपनी टीम के साथ संस्था के कार्यालय पहुंचकर इस त्यौहार को संस्था की महिला पदाधिकारियों व कार्यकर्त्ताओं के संग मनाया। गंगा महंत ने होली के त्यौहार से जुड़े गीत गाए तथा जमकर नृत्य किया। इस मौके पर संस्था की महिला कार्यकर्त्ताओं ने फूलों व आर्गेनिक रंगों के साथ होली खेली।

शहीदों का बलिदान और अटूट समर्पण पीढ़ियों तक करता रहेगा प्रेरित

कांग्रेसियों ने शहीदों को किया नमन, प्रभातफेरी निकाल कर प्रतिमाओं पर चढ़ाए फूल

जैन बोले मौजूदा केंद्र सरकार शहीदों के देश की जनता के खिलाफ बना रही है जन विरोधी कानून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। शहीदों की प्रतिमाओं के सामने इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कांग्रेसी।

प्रदेश कांग्रेस मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष रोहित जैन ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शहीदों को नमन किया! इस दौरान जैन समेत सभी कार्यकर्ताओं ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। साथ ही देश की आज़ादी के लिए दी गयी उनकी शहादत को भी याद किया। इस दौरान कार्यकताओं ने प्रभातफेरी के जरिए इन्कलाब जिंदाबाद और शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव अमर रहे के नारे भी बुलंद किए। सभी कार्यकर्ताओं ने अम्बाला शहर के जेल लैंड रोड पर स्थित शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं पर नमन करते हुए आसपास सफाई भी की। इस दौरान सभी ने शहीदों के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि शहीदी दिवस देश की आजादी के लिए शहीदों का बलिदान और अटूट समर्पण पीढ़ियों तक प्रेरित करता रहेगा। साहस की प्रतिमूर्ति के रूप में वह हमेशा न्याय और स्वतंत्रता के लिए देश की अनवरत लड़ाई का प्रतीक रहेंगे। इस दौरान शहीदों की याद में कांग्रेसी कार्यकर्ता एडवोकेट निरंजन ० ओमप्रकाश ने रागिनी के जरिए शहीदों के जीवन पर प्रकाश डाला।

जैन ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है ज़ोर कितना बाजु-ए-कातिल में है' के नारे ने देश के युवाओं में नए जोश का संचार किया था। उन्होंने कहा कि शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव के देश प्रेम को व बलिदान को युगों युगों तक देशवासी याद रखेंगे। एडवोकेट रोहित जैन ने कहा कि शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के ऐसे मजबूत स्तंभ हैं जिनकी देशभक्ति व मातृभूमि के प्रति समर्पण ने न सिर्फ जीते जी जन-जन में विदेशी शासन के अत्याचारों के विरुद्ध स्वाधीनता की अलख जगाई बल्कि उनका बलिदान हर भारतीय को राष्ट्रसेवा हेतु प्रेरित करता है। शहीद भगत सिंह चाहते थे कि मनुष्य के हाथों मनुष्य की लूट बंद हो परंतु आज के युग में केंद्र सरकार अपनी मनमर्जी से बिल पास कर देश के अन्नदाता, खेत मजदूर, छोटा दुकानदार और आम व्यक्ति को लूट रहे हैं। शहीद-ए-आजम भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी साथियों का सपना था - असमानता, शोषण, गरीबी और अन्याय से मुक्ति। लेकिन जनता के खिलाफ, लूट को बढ़ावा देने वाले कानून बनाए जा रहे हैं। देश की संपत्तियों की खुलेआम लूट हो रही है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर तरुण चुघ, कुलदीप सिंह गुल्लू, उपाध्यक्ष हरजीत बब्बल, खुशबीर वालिया, रोहित गर्ग, किरण राणा, एडवोकेट संदीप शर्मा, एडवोकेट गौरव कुकरेजा, राजन मेहंदीरत्ता, एडवोकेट दविंदर सांगवान, एडवोकेट अनमोल सैनी, पुरषौत्तम, अश्वनी कुमार, अजय गौड़, कुलविंदर रिंकू, पवन सोनी, चरणपाल सिंह, अमित जैन, बलबीर सिंह, परवीन बक्शी, नवीन गुप्ता, राहुल अग्रवाल, राजेश शर्मा, वरुण शर्मा आदि मौजूद रहे।

अंबाला। ग्रामीणों को मतदान के लिए जागरुक करती आर्य कॉलेज की छात्राएं।

छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के साथ मतदान के प्रति भी किया जागरूक

- आर्य कॉलेज की ओर से टुंडली गांव में आयोजित किया जा रहा है एनएसएस शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के आर्य गर्ल्स कॉलेज की एनएसएस यूनिट के सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन की शुरूआत योग व एनएसएस गीत के साथ हुई। प्रथम सत्र में स्वावलंबी भारत अभियान से श्री कपिल मदान ने स्वयंसेविकाओं को पढ़ाई के साथ-साथ किस प्रकार का स्वरोजगार किया जा सकता है, स्टार्ट अप कैसे किया जाए, रूचि के अनुसार अपने आप को किस प्रकार स्वाबलंबी बनाया जाए जिससे की छात्राएं स्वयं की पढ़ाई एवं स्वयं का खर्चा निकाल सकें और आत्मनिर्भर बनने के गुर सीख सकें, इन विषयों पर प्रकाश डाला। स्वयं सेविकाओं ने मदान से स्वयं निर्मित वस्तुओं को किस माध्यम से बेचा जाए और व्यापार कैसे किया जाए पर तर्क-वितर्क किया गया। दोपहर के सत्र में ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस पर डॉ. यशपाल वर्मा और डॉ.पूजा ने व्याख्यान दिया। इसमें स्वयंसेविकाओं को कैंसर से बचाव तथा भ्रांतियां दूर की गई। इसके बाद गोद लिए गांव टुंडली में जाकर महिलाओं को कैंसर की बीमारी के बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं को गांव टुंडली में मतदान अभियान के तहत ''मेरा पहला वोट देश के लिए'' पर घर-घर जाकर वोट बनवाने के लिए एवं अपने मतदान का सदुपयोग करने के लिए अभियान चलाया। इसी के साथ-साथ पोस्टर बनाकर गीला कूड़ा एवं सूखा कूड़ा, पराली एवं फसल अवशेष के प्रबंधन के बारे में बताया किस तरह वह गीले कूड़े से खाद बना सकते हैं।

एमपीएन कॉलेज में तिलक लगाकर फूलों के साथ खेली गई होली

- एक दूसरे को दी शुभकामनाएं

बराड़ा। कार्यक्रम के दौरान शामिल स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

महाराणा प्रताप नेशनल महाविद्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्टाफ व स्टूडेंटस से रंग लगाकर होली पर्व मनाया। कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधन समिति के महासचिव डॉ. कुंवर वीरेंद्र सिंह ने मुख्य रूप से शिरकत की। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. राजश्री खरे ने कहा कि होली प्रकृति और प्रेम में लीन होने का त्यौहार है। उन्होंने सभी को तिलक लगाकर व फूलों से होली खेल कर सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा होली का त्योहार रंगों का त्योहार है। यह हर धर्म, संप्रदाय, जाति के बंधन की सीमा से परे जाकर लोगों को भाईचारे का संदेश देता है। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय में मिठाइयां बांटी गई और एक दूसरे को होली की बधाइयां दी गई। इस कार्यक्रम में सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

शहीद हमारे लिए प्रेरणादायक, देश को संभालकर रखना हमारी जिम्मेदारी

- पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने शहीदों को किया नमन, कहा समय से पहले अंग्रेजों ने तीनों को देशभक्तों को दी फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव आज भी ऐसा नाम है जो हम सभी को प्रेरणा देता है। यह नाम बताते हैं कि आजादी हमें यूं ही नहीं बल्कि बहुत कुर्बानी देकर मिली है। हमें इस देश को संभाल एवं संवार कर रखना चाहिए तथा इसे मजबूत बनाना चाहिए। विज शनिवार को शहीदी दिवस के अवसर पर अम्बाला छावनी के लघु सचिवालय में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दिन जालिम अंग्रेज हुकूमत जोकि इतना डरती थी कि निर्धारित समय से भी पहले उन्होंने भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव को फांसी दे दी। इनकी शहादत से सारे हिंदुस्तान में इंकलाब, भारत माता की जय के नारों की सुनामी आ गई। घरों में युवाओं व समस्त हिंदुस्तानियों की रगों में रक्त दौड़ने लगा और इसी से डरकर 15 अगस्त 1947 में अंग्रेज भारत छोड़कर चले गए। इससे पहले पूर्व मंत्री अनिल विज ने भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और "इंकलाब जिंदाबाद" के नारे लगाए। इस दौरान भारी संख्या के मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर, विजेंद्र चौहान, किरणपाल चौहान के अलावा संजीव सोनी, बीएस बिंद्रा, श्याम सुंदर अरोड़ा, फकीरचंद सैनी, नरेंद्र राणा, राम बाबू यादव, ललित चौधरी, रवि सहगल, जसबीर जस्सी, अजय बवेजा, सतपाल ढल सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंबाला। शहीदे आजम भगत सिंह को नमन करते पूर्व गृहमंत्री अनिल विज।

देवी मंदिर में शहीदों को किया नमन राष्ट्र प्रेम की प्रतिबद्धता दोहराई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

मुलाना। श्रद्धांजलि समारोह में भाग लेते लोग।

जाट महासभा के तत्वाधान में देवी मंदिर के परिसर में एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन कर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के चित्र पर नमन कर व पुष्प अर्पित किए गए। इस दौरान सभी ने राष्ट्र प्रेम की प्रतिबद्धता दोहराई गई। कार्यक्रम में नरेंद्र बिलमा अध्यक्ष तथा करम चंद बिट्टू, मंदीप बोपाराय,राजकुमार सांगवान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन समाज सेवक साहब सिंह द्वारा किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में वीर शहीदों का चरित्र-चित्रण करते हुए कहा कि यह मां भारती के वीर सपूत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आजीवन लोहा लेते रहे तथा हंसते हुए मौत को गले लगा कर राष्ट्र प्रेम का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर एक नया इतिहास रच गए। हम स्वतंत्र देश भारत के लोग युग- युगांतर तक उनके बलिदान के प्रति कृतज्ञ व ऋणी रहेंगे। आने वाली पीढ़ियों के लिए इन वीर शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। इस मौके पर सामाजिक संस्था सेवा ट्रस्ट यूके भारत के प्रांतीय समन्वयक पवन पराशर द्वारा जूस व जलपान का प्रबंध किया गया।

चाकू की नोक पर लूट की वारदात, डेढ़ साल के मासूम की गर्दन पर रखा चाकू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

दिन दहाड़े बदमाश घर में घुस चाकू की नोक पर लूटपाट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। घर पर 13 साल की बच्ची और उसका डेढ़ साल का छोटा भाई था। बदमाश ने डेढ़ साल के मासूम की गर्दन पर चाकू रखा था। बच्ची को धमकी दी कि जो भी घर में जेवर और कैश है, ले आओ, नहीं तो मार दूंगा। बच्ची के माता-पिता किसी से बाहर गए हुए थे। बदमाश के फरार होने के बाद बच्ची ने अपने पिता के पास कॉल करके लूट की वारदात के बारे में सूचना दी। अंबाला शहर पुलिस को दी शिकायत में गांव अमीपुर के रिंकू ने बताया कि वह रणजीत नगर में किराए पर रह रहा है। उसके पास बेटी और एक बेटा है। वह आज शनिवार सुबह साढ़े 9 बजे अपनी पत्नी जोगिंदर कौर के साथ प्रेम नगर में किसी काम से गए थे। शिकायतकर्ता ने बताया कि घर पर उसकी बेटी वंशिका (13 साल) और डेढ़ साल का बेटा गुरकिरत था। सुबह सवा 10 बजे उसकी बेटी ने कॉल करके बताया कि हमारे घर पर काले कपड़े पहने हुए एक युवक आया, जिसके हाथ में चाकू था। बदमाश ने चाकू को उसके बेटे की गर्दन पर रखा और बेटी को धमकी दी कि जो भी सामान गहने व कैश है वह बाहर निकाल दे। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी बेटी ने डर के चलते 30 हजार रुपए कैश, सोने की 2 बालिया, 2 अंगूठी, चांदी का कंगन व पाजेब निकाल कर दे दी। बदमाश उसके घर से एक सूट और बेटी स्नेहा की शादी का कार्ड भी ले गया। बदमाश उसकी बेटी को धमकी देकर गया कि तेरा पिता को तो मार दूंगा।

- चाकू की नोक पर लूट की वारदात, डेढ़ साल के मासूम की गर्दन पर रखा चाकू

शहीदों की कुर्बानी से ही मिली आजादीः चौधरी

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

शहीदी दिवस पर विधायक वरुण चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि देश पर हुए शहीदों की कुर्बानी की वजह से ही हमें आजादी मिली है। शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, ऊधम सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमकर अपने प्राणों की आहूति दी थी। यह एक संयोग ही था कि जब उन्हें फांसी दी गई। उन्होंने संसार से विदा ली, उस वक्त उनकी उम्र 23 वर्ष 5 माह और 23 दिन थी और दिन भी था 23 मार्च। सारा देश उनके बलिदान को बड़ी गंभीरता व सम्मान से याद करता है। शहीद भगत सिंह की शहादत से न केवल अपने देश के स्वतंत्रता संघर्ष को गति मिली बल्कि नवयुवकों के लिए भी वह प्रेरणा स्रोत बन गए।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर केंद्र में बनेगी भाजपा सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पूर्व मंत्री एवं रा'यसभा सांसद कृष्ण पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भाजपा की फिर से सरकार बनेगी। हरियाणा में छठे चरण में 25 मई को लोस के लिए मतदान होने जा रहा है। आज देश हर क्षेत्र मे देश मजबूत है और सुरक्षित भी है। जिसके चलते देश की गिनती ताकतवर देशों में होती है।

सांसद कृष्ण पंवार शनिवार को भाजपा के जिला प्रधान राजू मोर के आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के देशभर में 18 करोड़ कार्यकर्ता हैं। पहले देश आर्थिक मामलों में 15वें नबर पर था। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व में पांचवें स्थान पर है। भाजपा सरकार बनते ही 2024 में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। पहले वैपन का आयात करते थे। आज मेड इन इंडिया 90 प्रतिशत वैपन हैं। पांच सौ साल बाद राम मंदिर बना है। धारा 370 को समाप्त कर नया इतिहास रच दिया है। जिस समय जम्मू-कश्मीर को धारा 370 के तहत विशेष दर्जा दिया जा रहा था। उस दौरान संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर तथा श्यामा मुखर्जी ने विरोध किया था। भाजपा ने महापुरूषों को हमेशा मान सम्मान दिया है। चाहे वह बाबा भीमराव अंबेडकर या फिर कपूरी ठाकुर या फिर चौधरी चरण हो, सभी को भारत रत्न दिया गया।

आयुष्मान कार्ड व बुढ़ापा पेंशन लगवाने के लिए भटक रहे लोगः चित्रा

बढ़ती महंगाई और बेरोजगार युवाओ को देख परेशान हो रही महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। हर घर कांग्रेस अभियान के दौरान लोगों से मुलाकात करते कांग्रेसी नेत्री चित्रा सरवारा।

कांग्रेस नेत्री चित्रा सरवारा ने शनिवार को अंबाला छावनी के विजय रतन चौक से घर घर कांग्रेस हर घर कांग्रेस अभियान की शुरुवात की।घर घर कांग्रेस हर घर कांग्रेस कार्यक्रम विजय रतन चौक से होता हुआ सदर बाजार,बर्तन बाजार,सराफा बाजार,बजाजा बाजार से होता हुआ विजय रतन चौक पर समाप्त हुआ।इस अवसर पर पूर्व डिप्टी मेयर सुधीर व यादव समाज के प्रधान करण यादव भी साथ मौजूद रहे। इस अभियान में लोगों से मुलाकात के बाद आ रही समस्याओं पर बोलते हुए चित्रा ने कहा की आयुष्मान कार्ड व बुढ़ापा पेंशन लगवाने की जटिल व आपारदर्शी व्यवस्था के कारण जनता की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने विभिन्न तरह के पोर्टल तो बना दिए लेकिन पोर्टल के चक्कर मे जनता के चक्कर बंधवा दिए। परिवार पहचान पत्र के नाम पर लोगों को इन पोर्टल के ना चलने से रोजाना चक्कर काटने पड़ रहे है। अगर यह पोर्टल व्यवस्था गरीब, मजदूर, दिहाड़ीदार व्यक्ति को दुख देने वाली है तो तुरंत इसको सरकार को रद्द कर देना चाहिए।

आयुष्मान कार्ड व बुढ़ापा पेंशन लगवाने के लिए लोग दर-दर भटक रहे है लेकिन आपारदर्शी व्यवस्था के कारण आयुष्मान कार्ड व पेंशन के बारे सीएससी सेंटर वाले एक ही बात कह देते है कि पोर्टल बंद है या नही चल रहा। राशन कार्ड कटने की व्यथा भी महिलाओं ने चित्रा सरवारा से सांझा करी और बताया कि आमदनी को आधार बनाकर गरीबों का पीला कार्ड काटकर सरकार गरीब की रोटी छीन रही है। आज बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी के कारण गरीब आदमी दो वक्त की रोटी के लिए भी मोहताज है। पीला राशनकार्ड गरीब की आजीविका का सहारा था। सरकार ने उस आमदन को आधार बनाकर लगभग 10 लाख लोगो के पीले राशनकार्ड काट दिए हैं। इसके साथ ही ऐसे बिजली के मीटर पर भी लोगों के परिवार पहचान पत्र पर चढ़ा दिए गये जो उसके है ही नही और जिन्हे कटवाने के लिए उसे चक्कर लगाने पड़ रहे है। उन्होंने कहा इस परेशानी को देखते हुए कॉग्रेस पार्टी ने कुछ वायदे लोगों से किये है की सत्ता में आते ही कांग्रेस सरकार बनने पर 6000 रुपये बुढ़ापा पेंशन देंगे। हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। हर गृहणी को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर,कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन,गरीब,पिछड़े,दलित परिवारों के लिये 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट की योजना दोबारा शुरु होगी,इंदिरा आवास योजना के तहत मकान बनवाने के लिये साढ़े 3 लाख रुपये की किश्त भी सरकार देगी। हरियाणा में कच्ची भर्ती नीति खत्म कर रिजर्वेशन, पेंशन के साथ पक्की भर्ती शुरु होगी।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024

तन रंग लें-मन रंग लें

जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

{ पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा }

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लौकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'*

या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए

ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/ अवध में होली खेले रघुबीरा।

नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

{ होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नेहिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।

सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

{ उल्लासोत्सव / कुमार राधारमण }

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

रंग-उमंग-तरंग समेटे

विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटाः फाल्गुन पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड में कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती हैं और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल -इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

कृषि से भी है संबंधितः यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूपः समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

{ आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज जी }

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम सेः इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसरः हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भः पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ढुंढला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थः विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है।

'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

{ हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय }

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

{ हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय }

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-

हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

{ कुंडलियां / श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' }

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम कै, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

{ लघुकथा / अशोक वाधवाणी }

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग को इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

फागुन के दिन चार रे रसिया

होली के स्वरूप में भले ही अब काफी कुछ बदल चुका है। लेकिन इस पर्व का मूल स्वरूप लोकसंस्कृति, पुराण, प्रकृति परिवर्तन और जीवन की सकारात्मकता से जुड़ा है। रंगोत्सव, हमें न केवल अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज से जोड़ता है, साथ ही अपने गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर और लोकरंग से भी संबद्ध करता है।

लोकपर्व
सुधा रानी तैलंग

जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से भरने, रंगों का त्योहार होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और प्रीत राग की बौछार लेकर आया है। रंग पर्व के स्वागत में अमलतास और पलाश के पेड़, पुष्प गुच्छों से आच्छादित हो गए हैं। आम के पेड़ों पर बौर आ गए हैं। हर ओर प्रकृति वसंत के उत्सव में मगन नजर आ रही है।

सुनाई देते हैं फाग के मोहक सुर

वसंत ऋतु के आते ही समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है। माघ शुक्ल पंचमी से ही ग्रामीण अंचलो में फाग गाना शुरू हो जाता है। वैसे होली के त्योहार का विधिवत आरंभ वसंत पंचमी से हो जाता है। तभी से लेकर होली तक हर उत्सवप्रेमी मन मौज-मस्ती, रंग, अबीर, ढोल-मजीरे की थाप के संग पुलकित,चंचल हो उठता है। मन गुनगुनाने लगता है, *अब दिन आए वसंती नीरे।*

हास-परिहास संग संगीत का उत्सव

होली हास-परिहास, मौज-मस्ती, व्यंग्य-विनोद का उत्सब है। अबीर- गुलाल के रंगों की इंद्रधनुषी फुहार, टेसू के केसरिया रंग, भांग, ठंडाई और गुझियों की मिठास के संग होली के हुरियारों और मसखरों की टोली, घर-घर से लकड़ियां और चंदा मांगते बच्चे, ढोल, डफली, झांझर और मांदल के उमगते सुरों में फाग के फड़, फगुआ, होरी गारी गीत और लोक गीतों की सुर संगीत लहरियों के संग, चहुंओर उल्लास और खुशियों के रंग भर देती है। खासकर ग्रामीण अंचल में फागें समूचे परिवेश को रंगमय-संगीतमय कर देती हैं-

फागुन आयो फागुन आयो रे,
रंग दे रसिया,
होली खेलूं रसिया, फागुन आयो।

तन-मन हो उठता है पुलकित

फागुन की दस्तक ही तन-मन को पुलकित कर देती है। होली में रंग-गुलाल की मस्ती छा जाती है। होली के दिन, लोग एक-दूजे को गले लगाते गुलाल का तिलक लगाकर शुभकामनाएं देते हैं और सामाजिक समरसता, सद्भाव के रंग बिखेरते हुए मजीरों की थाप पर जमकर थिरकते हैं। होली में युवाओं के संग बच्चों और बड़ों का हुजूम गलियों, चौराहों और सड़कों में मस्ती, उल्लास और उत्साह के संग चारों ओर सतरंगी रंगों को बिखेरता हुआ दिखाई देता है। बच्चों की टोली की मौज-मस्ती, हुड़दंग के संग एक-दूजे पर पिचकारी के रंगों की बौछार से समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है।

जुड़ी हैं कई सांस्कृतिक मान्यताएं

भारतीय संस्कृति में होली का पौराणिक महत्व भी है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य का प्रतीक लोक पर्व भी है। पुराणों के अनुसार प्रथम पुरुष मनु का जन्म भी इसी तिथि पर हुआ था। इसीलिए इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। भगवान शंकर के द्वारा अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म करने के कारण इसे मदनोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। प्रकृति के अंगड़ाई लेते ही वसंत उत्सव के बाद नए अनाज के आगमन की खुशी में नव शस्येष्टि पर्व के रूप में मनाए जाने का उल्लेख प्राचीन ग्रंथो में भी मिलता है। होलिका दहन वैदिक सोम यज्ञ की परंपरा का वाहक है। फाल्गुन पूर्णिमा पर अन्न पकने पर जौ और गेहूं की बालियों को देवताओं को समर्पित करने के बाद ही उपभोग करने की परंपरा रही है। यह परंपरा आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। साथ ही होली में मंत्रोच्चारण के साथ गेहूं, चने की बालियां, नव अन्न के साथ धृत, पुष्प, जड़ी-बूटियां, गोबर के उपले, कंडे और सुगंधित द्रव्यों को अग्नि में समर्पित कर वातावरण को शुद्ध, परिष्कृत करके धूम्र कण बादलों को आमंत्रण देते हैं और वर्षा होती है। साथ ही होलिका दहन से अहंकार, ईर्ष्या और बुराइयों का विसर्जन होकर समूचे परिवेश मे सौहार्दता और प्रेम का बातावरण निर्मित होता है।

मथुरा में फूलों वाली होली खेलते स्थानीय लोग

विश्वप्रसिद्ध ब्रज मंडल की होली

होली का लोक पर्व पूरे देश में कई तरह के रंग बिखेरता है। लेकिन विशेष रूप से इस पर्व का ब्रज से गहरा नाता है। मथुरा, वृंदावन, ब्रज मंडल के मंदिरों में फाग के रंगों की फुहार और फूलों की बौछार तो समूचे विश्व के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बरबस ही आकर्षित करती है। जिस तरह द्वापर युग में ब्रज में होरी खेलते हुए भगवान श्री कृष्ण और उनके सखा, गोपियों के संग राधा को रंगों में सराबोर कर देते हैं। वो परंपरा आज भी चली आ रही है।

रंगोत्सव और उसमें निहित संदेश

होली के रंग जीवन में खुशियों के रंग भर देते हैं, चारों ओर, प्रेम, एकता के रंग बिखर जाते हैं। वैर भाव छोड़ सब एक-दूजे को प्रेम के रंग से रंग देते हैं। स्नेह प्रेम रंग में रंगे प्रेमी के लिए पूरा संसार ही रंगमय हो जाता है। होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी में उड़ती गुलाल और अबीर से पूरा आसमान ही सतरंगा हो जाता है। तभी तो हुरियारे कह उठते हैं, उड़त गुलाल लाल भए अंबर।

पौराणिक मान्यता के अनुसार होली में समूचे आसमान में गुलाल, अबीर का रंग उड़ाने से रजोगुण और तमोगुण के प्रभाव कम होकर उत्सव का सात्विक स्वरूप निखरता है और देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। मान्यता है, इस दिन रंग और अबीर से खेलने पर नकारात्मकता का विनाश होता है और निराशा दूर होती है। मन के विकार दूर होते हैं। चारों ओर सकारात्मक प्रवाह आता है। गुलाल के स्पर्श से लोगों के व्यक्तित्व और विचारों में सकारात्मकता आती है। होली के रंग हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने और दूसरों के जीवन को भी खुशियों से सराबोर रखें। *

उल्लास
भूपसिंह 'भारती'

होळी की खुम्मारी

बरसाओ रंग-गुलाल, होळी सै मतवारी।
होळी म्हं कस कै मार, यार तू पिचकारी।।
खेलै होळी छैल-छबीली,
गोरी हो गई रंग-रंगीली,
अंगिया काळी-पीळी, हुई बलमा म्हारी।
फागण आयो यो मस्तानों,
मस्त अदा कर री दीवानों,
दूंगी भोत उल्हाणों, करी जो बदकारी।

बलमा खेलण आयो होळी,
कस कै भरली मोरी कोळी,
रंगग्यो दामण चोली, मार कै पिचकारी।
होळी को यो गजब अखाड़ों,
बजै 'भारती' ढोल नगाड़ों,
माड़ो होग्यो जाड़ो, होळी की खुम्मारी।

रंगों का संबंध केवल होली खेलने से ही नहीं होता है। कौन-सा रंग आपको पसंद है, इससे आपके मिजाज और व्यक्तित्व के राज का भी पता चलता है, कैसे बता रहे हैं आपको।

रंगों की पसंद बताती है आपके मिजाज का राज

पर्सनालिटी
शिखर चंद जैन

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों की मानें तो किसी व्यक्ति की रंग की पसंद से उसके व्यक्तित्व और स्वभाव का काफी हद तक पता लगाया जा सकता है।

सफेद रंगः सफेद रंग अधिक पसंद करने वाले दूरदर्शी और आशावादी माने जाते हैं। ये लोग प्लानिंग करने में माहिर होते हैं, इसीलिए अधिकतर कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग वर्कलाइफ और पर्सनल लाइफ में अच्छा बैलेंस बनाए रखते हैं। जो सफेद रंग पसंद करते हैं, वे शांति प्रिय होते हैं। नए लोगों से जल्दी मित्रता नहीं बढ़ाते हैं। किसी भी नए स्थान पर या नए लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करते क्योंकि ये संकोची स्वभाव के होते हैं।

लाल रंगः लाल रंग पसंद करने वाले हमेशा सजग रहते हैं। इनके जीवन में प्रेम का बहुत अधिक महत्व होता है। ये लोग अच्छे प्रेमी सिद्ध हो सकते हैं। लाल रंग उत्साह और जोश का प्रतीक है और इसी वजह से इसे पसंद करने वाले जोशीले होते हैं। ये लोग जीवन को पूरे उत्साह के साथ जीते हैं। दूसरों के स्वभाव को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और स्वयं को उसके मुताबिक एडजस्ट कर लेते हैं।

पीला रंगः पीले रंग के शौकीन आमतौर पर हंसमुख स्वभाव वाले होते हैं। ये जीवन को सकारात्मक रूप में जीते हैं। ये लोग नए विचारों को अपनाने में यकीन रखते हैं। खुले मन के होने के कारण ये दूसरों को सही मार्गदर्शन देते हैं। सभी की मदद के लिए तैयार रहते हैं। विपरीत समय में भी यह ईमानदारी के साथ कार्यों में लगे रहते हैं और अपनी विल पावर के बूते सफल हो जाते हैं।

नीला रंगः नीले रंग को पसंद करने वाले स्वाभिमानी होते हैं। ये मदद लेना पसंद नहीं करते हैं। अपने प्रेमी को पूरा समय देते हैं और उसकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। इन्हें भरोसेमंद माना जा सकता है। किसी का विश्वास नहीं तोड़ते हैं और किसी अन्य व्यक्ति पर आसानी से विश्वास भी नहीं करते हैं। मित्रता करने से पहले पूरी सावधानी रखते हैं और जब इन्हें यह सुनिश्चित हो जाता है कि व्यक्ति मित्रता करने योग्य है, तब ही मित्रता करते हैं। अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी शिद्दत से करते हैं।

हरा रंगः हरे रंग के दीवाने डाउन टू अर्थ स्वभाव वाले होते हैं। हर परिस्थिति में अपने स्वभाव को बनाए रखते हैं। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी सामान्य इंसान की भांति बने रहते हैं। यदि इनके आस-पास कोई दुखी व्यक्ति होता है तो उसके दुख बांटने का प्रयास करते हैं। ये बहुत शांतिप्रिय इंसान होते हैं। जिस प्रकार हरा रंग आंखों को सुखद अहसास देता है, ठीक वैसा ही स्वभाव हरा रंग पसंद करने वाला भी होता है।

गुलाबी रंगः जिन लोगों को गुलाबी रंग अधिक पसंद होता है, वे जीवनसाथी के प्रति काफी भावुक होते हैं और जीवन साथी का ध्यान रखने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक रहती हैं। मित्रों से विशेष स्नेह प्राप्त करते हैं। सभी लोगों से प्रेम से मिलते हैं। इनका स्वभाव काफी रोमांटिक होता है। ये लोग दूसरों के गुणों पर अधिक ध्यान देते हैं और बुराइयों को अधिकतर नजरअंदाज करते हैं।

भूरा रंगः जिन लोगों को ब्राउन (भूरा) कलर प्रिय होता है, वे लोग आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होते हैं। सफलता मिलने के बाद भी घमंड और अहंकार से दूर रहते हैं। इनका स्वभाव मित्रतापूर्ण और विनम्र रहता है, इस कारण अधिक सफल होने के बाद भी लोग सरल होते हैं। दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। दूसरों के दुखों को दूर करने का प्रयास करते रहते हैं। दूसरों को इनका साथ बहुत प्रिय होता है। कठिन परिस्थितियों को काबू करने के लिए धैर्य और मेहनत का सहारा लेते हैं। सूझ-बूझ से विपरीत हालातों से बाहर आ जाते हैं।

जामुनी रंगः जामुनी रंग पसंद करने वाले लोगों के स्वभाव में रचनात्मकता होती है, इस कारण किसी भी काम को अलग-अलग तरीके से करने में इन्हें मजा आता है। इन्हें भीड़ का हिस्सा बनना पसंद नहीं होता है। भीड़ से अलग काम करने पर अधिक विश्वास रखते हैं। ये लोग दूसरों की नकल करना पसंद नहीं करते हैं और ना ही ये चाहते हैं कि कोई इनके कामों की नकल करे। ये दूरदर्शी भी होते हैं।

काला रंगः जिन लोगों को काला रंग पसंद होता है, वे थोड़े रूढ़िवादी हो सकते हैं। साथ ही, इन लोगों को गुस्सा भी बहुत जल्दी आता है। इन्हें किसी भी काम में कोई बदलाव पसंद नहीं होता है। किसी भी प्रकार का बदलाव आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते हैं। ये लोग अपनी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं। इन्हें लोगों से उचित दूरी बनाए रखना पसंद होता है। *

उमंग-तरंग

मीठी-मीठी यादों के बीच प्रेम के प्यारे-प्यारे रंग

होली का पर्व हर कोई बहुत उत्साह-उमंग से मनाता है। छोटे पर्दे के कलाकार भी इसमें पीछे नहीं रहते। इनकी सबसे मीठी यादगार होली कब और क्यों रही? होली के पर्व को ये किस नजरिए से अहम मानते हैं? इस बार होली कैसे मनाएंगे? बता रहे हैं, चर्चित टीवी शोज के कुछ प्रमुख कलाकार।

होली पर किसी को भी छेड़ सकते हैं : विभव रॉय

इन दिनों स्टार भारत पर आ रहे शो 'शैतानी रस्में' में विभव रॉय राजकुमार पीयूष के लीड रोल में नजर आ रहे हैं। होली का जिक्र होने पर वह अपनी पिछले साल की होली याद करते हुए बड़े उत्साह से बताते हैं, 'अपनी पिछली होली मैंने यूएस में अपने भांजे के साथ मनाई थी। जहां हमने स्विमिंग पूल में रंग मिलाकर उसमें होली खेली और खूब मस्ती की थी। उस दिन मेरी बहन ने अपने हाथों से सभी के लिए गुझिया बनाई थी, जो बहुत टेस्टी थी। गुझिया के साथ ढेर सारे कैंडी, चॉकलेट्स भी सभी के लिए रखे गए थे। सबने मजे से खाया। मैं अपनी पर्सनल लाइफ में भी एक प्रैंक्स्टर हूं। सभी से हंसी-मजाक करता रहता हूं। होली से जुड़ी मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन आप किसी के भी रंग लगा सकते हैं, उसे छेड़ सकते हैं, उसके साथ मजाक-मस्ती कर सकते हैं। होली एक ऐसा दिन है, जब आपको अपनों के साथ हंसने-हंसाने का मौका मिलता है। इस होली पर मैं अपने शो 'शैतानी रस्में' की शूटिंग में बिजी रहूंगा, लेकिन शूटिंग के बाद अपने को-स्टार्स और क्रू मेंबर्स से साथ होली जरूर मनाऊंगा। आप सभी को होली की शुभकामनाएं!' *

रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का गरिमा परिहार

आजकल सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में गरिमा परिहार ने दीप्ति पारीख पटेल के किरदार में खूब रंग जमा रखे हैं। होली का जिक्र आते ही वह अपनी पिछले साल की खेली होली याद करती हैं,'बीते साल मैंने शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' की पूरी टीम के साथ बड़ी ही धूमधाम से होली खेली थी। असल में होली खेलना हमारे शो के एक सीक्वेंस का हिस्सा था। इसकी शूटिंग के दौरान जब भी हमें ब्रेक मिलता था, हम सभी एक-दूसरे पर पिचकारी चलाने लगते थे। जब पिचकारी से बात नहीं बनती तो बाल्टियों से भर-भर कर एक-दूसरे पर रंग वाला पानी डालते। यह सिलसिला करीब बारह घंटे चला, हमने खूब मस्ती की। मुझे होली से जुड़ी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन सभी लोग एक हो जाते हैं। भले ही हम अपनों से दूर क्यों न हों, लेकिन कोशिश यही रहती है कि होली के दिन सब मिलें। इस त्योहार पर रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का। इस बार की होली मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि होली वाले दिन ही मेरा जन्मदिन है। इस साल मैं अपना जन्मदिन, होली त्योहार के साथ मनाऊंगी। *

फिल्म-जगत / अशोक जोशी

होली के रंग हमारे बीच ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी दिखाई देते हैं। बॉलीवुड के कई निर्माता-निर्देशकों ने अपनी फिल्मों में होली के सतरंगी रंग बिखेरे हैं। फिल्मों में ये रंग कभी बदले या फिर विरह के रूप में दिखते रहे हैं। इनसे इतर प्रेम के गहरे रंग को भी कई बार होली के माध्यम से पर्दे पर दिखाकर दर्शकों के दिलों की धड़कनें बढ़ाई हैं। फिल्म के कथानक के साथ होली-गीतों को भी फिल्मों में बहुत खूबसूरत रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कई फिल्मों में होली के गीत इतने लोकप्रिय हुए कि आज भी होली के मौके पर दिनभर सुनाई देते हैं।

काफी पुराना है इतिहासः जहां तक फिल्मों में होली के दृश्यों की बात है तो इसका इतिहास काफी पुराना है। दिलीप कुमार की पहली फिल्म 'ज्वार भाटा' में होली नजर आई थी। फिल्म के निर्देशक अमिय चक्रवर्ती ने 1944 में होली के दृश्य शूट करके एक इतिहास रचा था। इसके बाद दिलीप कुमार की फिल्म 'आन', 'कोहिनूर' और 'सौदागर' में भी होली के रंग देखने को मिले। इसके बाद भी फिल्मों में होली नजर आती रही।

फिल्मों में होली के यादगार गीतः एक समय ऐसा आया जब फिल्मों में होली के गीत फिल्म का विशेष आकर्षण बन गए। फिल्मकार यश चोपड़ा ने तो इसमें उस दौर के निर्देशकों को बहुत पीछे

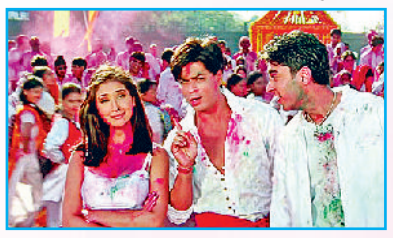

फिल्म 'मोहब्बतें' में कोएक्टर्स के साथ शाहरुख

छोड़ दिया था। अपनी फिल्म 'सिलसिला' में उन्होंने 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' होली का एक लोकप्रिय गीत दिया। इसके बाद 'मशाल' में 'होली आई, होली आई, देखो होली आई रे', 'डर' में 'अंग से अंग लगाना' और बाद में 'मोहब्बतें' में उनके बेटे निर्देशक आदित्य चोपड़ा ने 'सोनी-सोनी अंखियों वाली, ' में बड़े पर्दे पर होली के रंग बिखेरे। फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा 'नवरंग' का 'जा रे हट नटखट' और 'लम्हे' का 'मोहे छेड़ो न नंद के लाला' गाने ने भी होली का फिल्मों में प्रतिनिधित्व किया।

फिल्मों में होली के रंग खूब बिखरे हैं। दर्शकों के लिए होली एक विशेष आकर्षण रही है, विशेषकर होली के गीत। फिल्मों में होली, कहानी को आगे बढ़ाने या टर्निंग प्वाइंट लाने में बहुत कारगर साबित हुई है। फिल्मों में होली के रूप पर एक नजर।

फिल्मों में भी खूब बिखरे हैं होली के रंग

फिल्म 'बागबान' में अमिताभ के साथ हेमा

'शोले' में मस्ती के रंग में धर्मेंद्र-हेमा

स्टार्स ने खूब बिखेरे होली के रंग : फिल्मों में होली का रंग बिखेरने में स्टार्स खूब आगे रहे। इनमें अमिताभ-रेखा पर फिल्माया गया गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' आज भी याद किया जाता है। इस गीत के लंबे समय बाद अमिताभ ने हेमा मालिनी के साथ 'बागबान में 'होली खेले रघुवीरा' के जरिए एक बार फिर रुपहले पर्दे को रंगीन किया। अमिताभ, विपुल शाह की 'वक्त' में अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'डू मी, फेवर, लेट्स प्ले होली' गाते हुए भी खूब जंचे। हिंदी फिल्मों की एक और जोड़ी, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने होली को फिल्मों में ऐतिहासिक बनाया है। इस जोड़ी पर फिल्माया फिल्म 'शोले' का गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' हिट रहा फिर इस जोड़ी ने फिल्म 'राजपूत' में 'भागी रे भागी रे भागी ब्रजबाला, कान्हा ने पकड़ा रंग डाला'गाकर भरपूर होली खेली। बॉलीवुड में 'होली' और 'होली आई रे' नाम से और 'फागुन' नाम से दो फिल्मों का निर्माण हो चुका है।

'डर' में सनी देओल-जूही चावला

'वक्त' में अक्षय-प्रियंका चोपड़ा

फिल्मी कथा में होली का तरह-तरह से उपयोगः फिल्मों में होली से जुड़ा दिलचस्प पहलू यह भी है कि जहां कुछ फिल्मकारों ने होली को फिल्म की कहानी आगे बढ़ाने के लिए उपयोग किया, तो कुछ ने टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने इसे सिर्फ मौज-मस्ती और गाने फिट करने के लिए फिल्म में डाला। फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने अपनी फिल्म 'दामिनी' में होली के दृश्य का उपयोग फिल्म में टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए किया, जबकि 'आखिर क्यों' के गाने 'सात रंग में खेल रही है दिल वालों की होली रे' और 'कामचोर' के 'मल दे गुलाल मोहे' में इनके जरिए फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाया गया।

नायकों ने नायिकाओं के जीवन में भरे रंगः कई फिल्मों में नायक होली के माध्यम से नायिकाओं के जीवन में रंग भरने की कोशिश करते भी दिखे। फिल्म 'धनवान' में राजेश खन्ना ने रीना रॉय के लिए 'मारो भर-भर पिचकारी' तो 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र, मीना कुमारी के लिए 'लाई है हजारों रंग होली' गाते दिखे। इसी तरह फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माए गाने 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' ने आशा पारेख को अपने अतीत की याद दिला दी थी।

अब कम दिखते हैं होली के रंगः अब फिल्मों में रुचि रखने वाले दर्शकों की पसंद काफी बदल चुकी है। कभी-कभी ही फिल्मों से होली गीत दिखते हैं। बीते बरस की फिल्मों में 'जॉली एलएलबी-2' में अक्षय कुमार और हुमा कुरैशी पर फिल्माया एक होली गाना दिखाई दिया था। लेकिन वास्तविकता यही है कि आजकल की फिल्मों में होली के रंग फीके पड़ गए हैं। *

सारे गिले-शिकवे भुलाकर प्रेमपूर्वक रंग खेलने का दिन : स्वाति शर्मा

चैनल शेमारू उमंग के नए शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा ने आशी के किरदार में सबका दिल जीत लिया है। वह होली से जुड़ी अपनी यादें ताजा करते हुए बताती हैं, 'होली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार है। मेरी सबसे यादगार होली तब की है, जब हम कई साल पहले अपने नए घर में शिफ्ट हुए थे। हमारे पड़ोस में तब कोई रहने नहीं आया था। हमने बगल वाले अंडरग्राउंड टैंक से बकेट से पानी निकालकर, उसमें कलर मिलाकर जमकर होली खेली थी। लेकिन जब मम्मी-पापा को हमारी शरारत पता चली, हमें खूब डांट पड़ी कि हमने इतना ढेर सारा पानी बर्बाद क्यों किया। तब बचपना था, लेकिन अब इस बात को हम अच्छे से समझते हैं कि होली में पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। अब तो हम सबसे कहते हैं, 'होली सिर्फ सूखे रंगों से ही खेलें, पानी बर्बाद न करें।' हमें होली की सबसे प्यारी बात यह लगती है कि इस त्योहार के दौरान हम अपने सारे गिले-शिकवे भूलकर आपस में प्रेम पूर्वक रंग खेलते हैं, गले मिलते हैं। इस बार की होली मैं शो 'चाहेंगे तुम्हे इतना' के सेट पर अपने कास्ट और क्रू के साथ मनाऊंगी।' *

समावेशी भावना होली को सुंदर-अनोखा उत्सव बनाती है : राकेश बेदी

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाभीजी घर पर हैं' में भूरे लाल का किरदार निभा रहे राकेश बेदी से जब होली की बात होती है तो उन्हें अपने बचपन के दिनों में होली पर की गई शरारतें याद आ जाती हैं। वह बताते हैं, 'होली पर हम बच्चे पानी की बंदूकें और रंगीन पानी की बाल्टियां लेकर बैठ जाते थे, जैसे ही कोई पड़ोसी अपने घर से बाहर निकलता, हम उस पर हमला बोल देते। हमारे पड़ोसियों में एक रूड अंकल थे। हमने उनके साथ मजाक करने का साहस किया। हम बच्चों ने जाकर उनके घर की डोर बेल बजाई, जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, हमने रंगों से भरी बाल्टी उन पर उड़ेल दी और छिपने के लिए भागे, लेकिन अंकल जी गुस्से में आने के बजाय घर के भीतर गए, अपनी रसोई से सूखे आटे की थैली उठा लाए और हमारे ऊपर छिड़कने लगे। इस मस्ती में दूसरे पड़ोसी भी शामिल हो गए। सबको खूब मजा आया। होली के पर्व को सभी उम्र, पृष्ठभूमि और सामाजिक वर्गों के लोग एकसाथ मनाते हैं। ऐसी समावेशी भावना होली को एक सुंदर और अनोखा उत्सव बनाती है।' *

प्रस्तुति : हरिभूमि फीचर्स